

## असाधारएा EXTRAORDINARY

भाग II.....बण्ड 3--उप-बण्ड (ii) PART II...-Section 3...-Sub-Section (ii)

प्रापिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

₹i. 39

नई दिल्ली, बुधवार, जनवरी 24, 1990/माघ 4, 1911

No. 39] NEW DELHI, WEDNESDAY, JANUARY 24, 1990/MAGHA 4, 1911

इ.स. भाग में भिस्म पृष्ठ संख्या को जाती है जिससे कि यह अलग संक्रालन के रूप में रक्षा जा सकें

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

## विश मंत्रालय

(राजस्य वि**भा**ग)

श्रादेण

नई बिहनी, 34 जनवरी, 1990

का. ग्रा. 74 (ग्र.)— नम्कर भीर विदेशी मुद्रा छलसावक (संपत्ति समयहरण) र्वाधनियम, 1976 (1976 का 13) की घारा 5 ग्रास प्रदक्त गर्किसों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार एलब्द्वारा जिल्ल संज्ञालय (राजस्व विभाग) द्वारी जारी भारत सरकार की प्रशिसूचना का. था. 41 (ग्र.) विनोक 15-1-70, का. भा. 840 (ग्र.) दिनोंक 30-12-1976 भीर का. भा. 471(ग्र.) विनोंक 28-7-1978 में भ्रोड ग्रागे निमालिखान संगोवन करनी है, यथा:—

- का. आ. स. 41(त्र) दिलांक 15-1-76 की सारणी में :---
- (i) कपाक 1 के मामन, कालम 3 में उिल्लिखित प्रविधिट के स्थान पर निम्तिलिखा प्रविधिट प्रतिस्थापित को जाएगी, यशा "तस्यार भीर थिवणी मुद्रा छन्नसाधक (सगित्त समगहरण) प्रविनिधन, 1976 (1976 का 13) की भारा 2 की उप- धारा (2) में विनिधिट थे सभी व्यक्ति और जो सहराष्ट्र

राज्य में रहे रहे व्यक्तियों भ्रयता व्यक्तियों की श्रीणयों के ऊपर सेशाधिकार रखने वाले प्रायकर प्रतृष्ठेर आयुक्त तथा भ्रायकर आयुक्त (केन्द्रीय) के शैलाधिकार में कर निर्धारित होते हों प्रथवा जो कर-निर्धारण किए जाने योग्य हो, प्रथवा जो उनत क्षेत्राधिकार के श्रीतर्गत सामान्य रूप से रहे रहे हों।"

- (ii) क्रमांक 2 के सामने कालम 3 में उल्लिखित प्रविध्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविध्ट प्रतिस्थापित की जाएगी, यथा.---
  - "तस्कर घोर वि मृ. छलसाधक (संपत्ति समपहरण) अधि.,
    1976 (1976 का 13) की धारा 2 की उपवारा (2)
    में विनिदिष्ट वे सभी व्यक्ति और जो हरियाणा, मध्य प्रशेश,
    पंजाब, राजस्थान, जस्मू तथा कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तर
    प्रदेण के राज्यों घोर दिल्लं। संय राज्य कील घोर चंडोगढ़
    संघ राज्य केल में रह रहे व्यक्तियों घनना व्यक्तियों की
    श्रीणियों के उत्तर कोलाधिकार रखने वाले घायकर थापुक्त तथा
    धायकर प्रायुक्त (केल्क्कीय) के कोलाधिकार में कर निर्धारित
    होते हों प्रयंश जो कर-निर्धारण किए जाने योग्य हों, मथना
    जा उनल कोलाधिकार के अंकोन सामन्य रूप से रह रहे हों। ए

(iii) क्रमांक 3 के मामने क(लम 3 में চক্লিखित प्रविधिट के स्थानः पर निम्नलिखित प्रविधिट प्रतिस्थाधित की जल्मी, यथाः--

"तस्कर और थि. मृ छत्नाधक (सपित समपहरण) प्रथि 1976 (1976 का 13) की धारा 2 की उनधारा (2) में वितिष्टि वे सभी व्यक्ति और जो प्रांच्य प्रदेश, कर्नाटक, केरल और क्षीमलताडु, गोमा तथा पाण्डिचेरी सक्षद्वीप एवं वमन और दीव सच राज्य क्षेत्रों में रह रहे व्यक्तियों प्रथवा व्यक्तियां की श्रीणयों के ऊपर क्षेत्राजिकार रखने वाले प्रायकर प्रायुक्त तथा आयकर प्रायुक्त (केन्द्रीय) के क्षेत्राधिकार में कर-निर्धारित होते हों अथवा जो कर-निर्धारण किए जान योग्य हों, प्रथवा जो उक्त क्षेत्राधिकार के अत्रीत सामान्य रूप से पहरह हों।"

2, 30 विसम्बर, 1976 के का आ या. 840(ध्र) की सारणी में, कालम 2 में उल्लिखन प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखन प्रविष्ट प्रसिस्थापित की जाएगी, यथा---

"तस्कर और वि. मृ. छलमां छक (संपत्ति समपहरण) प्रधि ,
1976 (1976 का 13) की धारा 2 की उपधारा (2) में
शिनिदिष्ट में सभी व्यक्ति और जो असम, विहार, उड़ीमा,
पश्चिम बंगाल, सिक्शिम, नागालैंड, मिजोरेम, फ्रष्टण(चन प्रदेश,
मेघालय, त्रिपुरा, मीणपुर के राज्यों, प्रजान तथा निकोशार द्वीप समृद्दी का नंघ राज्य क्षेत्र में रह रहे व्यक्तियों क्ष्यवा व्यक्तियों की श्रीणयों के उत्तर क्षेत्राधिकार रखने वाले क्षायकर प्रायुक्त तथा क्षायकर क्षायुक्त (केन्द्रीय) के श्रीक्षाधिकार में क्षर निव्यक्ति होने हो सथवा जो कल-निर्धारण किए काने योग्य हों, अथवा भी उक्त श्रीवाधिकार के अनुगंत सामान्य इप से रह

8. दिनांक 28 शृलाई. 1978 के का आ सं. 471 (अ) की सारणी में, कालम 2 में अल्लोबन प्रावरिट के स्थान पर निम्नलिखन प्रविच्ट प्रतिस्थापित की आएगी. थया---

"तस्कर श्रीण वि सु. छल्यावक (सपांचा समयद्वरण) कांध.
1976 (1976 का 13) की घारा 2 की उपद्यान (2)
में विनिदिष्ट में समें, व्यक्ति श्रीर जो गुजरात राज्य थोर दावर एन नागर हमेती नोत राज्य क्षेत्रों में रह रहे अविक्यां अथवा व्यक्तियों की श्रीणयों के जेपर क्षेत्राधिकार रखने वाले आध-कर आयुक्त तथा सायकर श्रायुक्त (केन्द्रांच) के क्षेत्रांवकार में घर-निर्धारिक हाने ही अथवा जो कर-निर्धारण किए जाने यांग्य हो, स्वया जो अक्षा की कार-निर्धारण किए जाने यांग्य रह रहे हों ।"

[स. ४55८ (फा. स. 229/28/४9--%,44कर (जाच-III)] प्रचीना राजन, उप-स∤चक

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

## **ORDER**

New Delhi, the 24th January, 1990

SO. 74 (E).—In exercise of the powers conferred by section 5 of the Smugglers and Foreign Exchange Manipulators (Forefeiture of Property) Act,

.1976 (13 of 1976), the Central Government hereby makes the following further amendments in the notifications of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) S. O. 41 (E), dated the 15th January, 1976, S. O. 840 (E), dated the 30th December, 1976 and S. O. 471 (E), dated the 28th July, 1978, namely:—

\_\_\_\_\_

- 1. In the Table of the S.O. No. 41 (E), dated the 15th January, 1976 :—
  - (i) for the entry in column 3, against serial No. 1, the following entry shall be substituted, namely:—
    - "All persons specified in sub-section (2) of section 2 of the Smugglers and Foreign Exchange Manipulators (Forfeiture of Property) Act, 1976 (13 of 1976) and who are assessed or are assessable to Income-tax in, or who ordinatily reside within, the jurisdiction of the Commissioners of Income-tax and Commissioners of Income-tax (Central) having jurisdiction over persons or classes of persons residing in the State of Maharashtra."
  - (ii) for the entry in column 3, against scrial No. 2, the following entry shall be substituted, namely:—
    - "All persons specified in sub-section (2) of section 2 of the Smugglers and Foreign Exchange Manipulators (Forfeiture of Property) Act, 1976 (13 of 1976) and who are assessed or are assessable to Income-tax in, or who ordinarily reside within the jurisdiction of the Commissioners of Income-tax and Commissioners of Income-tax (Central) having jurisdiction over persons or classes of persons residing in the States of Haryana, Madhya Pradesh, Punjab, Rajashan, Jammu and Kashmir, Himachal Pradesh, Uttar Pradesh and Union Territory of Delhi, and Union territory of Chandigarh"
  - (iii) for the entry in column 3, against scrial No. 3, the following entry shall be substituted, namely:—-
    - "All persons specified in sub-section (2) of section 2 of the Smugglers and Foreign Exchange Manipulators (Forfeiture of Property Act, 1976 (13 of 1976) and who are assessed or are assessable to Income-tax in, or who ordinarily reside

within, the jurisdiction of the Commissioners of Income-tax and Commissioners of Income-tax (Central) having jurisdiction over persons or classes of persons residing in the State of Andhra Pradesh, Karnataka, Kerala and Tamil Nadu, Goa and Union territories of Pondicherry, Lakshadweep and Daman and Diu."

- 2. In the Table of S. O. No. 840 (E), dated the 30th December, 1976, for the entry in column 2, the following entry shall be substituted, namely:—
  - "All persons specified in sub-section (2) of section 2 of the Smugglers and Foreign Exchange Manipulators (Forfeiture of Property) Act, 1976 (13 of 1976) and who are assessed or are assessable to Income-tax in, or who ordinarily reside within, the jurisdiction of the Commissioners of Income-tax and Commissioners of Income-tax (Central) having jurisdiction over persons or classess of persons residing in the States of Assan,

Bihar, Orissa, West Bengal, Sikkim, Nagaland, Mizoram, Arunachal Pradesh, Meghalaya, Tripura, Manipur, Union Territory of Andaman and Nicobar Islands."

- 3. In the Table of S. O. No. 471 (E), dated the 28th July, 1978, for the entry in column 2, the following entry shall be substituted, namely:—
  - "All persons specified in sub-section (2) of section 2 of the Smugglers and Forcign Exchange Manipulators (Forfeiture of Property) Act, 1976 (13 of 1976), and who are assessed or are assessable to Incometax in, or who ordinarily reside within the jurisdiction of the Commissioners of Incometax and Commissioners of Incometax (Central) having jurisdiction over persons or classes of persons residing in the State of Gujarat and Union Territory of Dadra and Nagar Haveli."

[No. 8553|F. No. 299|28|89-IT (INV. III)] ARCHANA RANJAN, Dy. Secy.